प्रतिभास्थली

ज्ञानोदय विद्यापीठ

तिथि दर्पण

यह उपाश्रम का परिसर है
यहाँ पर कसकर
परिश्रम किया जाता है
निशि-वासर!
यहाँ योगशाला है
प्रयोगशाला भी जोरदार!
जहाँ पर
शिल्पी से मिलता है
शिक्षण-प्रशिक्षण
क्षण-प्रतिक्षण
जिसका भीतरी जीवन पर
पड़ता है सीधा असर!
यहाँ पर जीवन का 'निर्वाह' नहीं
'निर्माण' होता है

-मूकमाटी

मार्च २०२२ फाल्गुन-चैत्र

कार्य दिवस – १४

प्रतिभास्थली
ज्ञानोदय विद्यापीठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
		१	२	३	४	५
६	७	८	९	१०	११	१२
१३	१४	१५	१६	१७ होली	१८	१९
२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६
२७	२८	२९	३०	३१		

१९ | प्रतियोगिताएँ

चित्रकला ४ थीं –५ वीं
कहानी सुनाओ ६ वीं
पत्र–लेखन ७–८ वीं
कविता सुनाओ ९ वीं
पोस्टर बनाओ १० वीं

२६ | प्रतियोगिताएँ

गीत गायन ४थीं –६वीं
पुस्तक–क्षेपा बनाना ७–८वीं
मुखौटा बनाना ९–१०वीं

१४ सत्र प्रारंभ

यहाँ मेरा क्या,
आशीष फल रहा,
शीर्ष जा बैठूँ।

भाषा ज्ञान नहीं है, उस तक पहुँचने का साधन है।

–आचार्य श्री विद्यासागरजी

अप्रैल २०२२ चैत्र –वैशाख

कार्य दिवस – १२

प्रतिभास्थली
ज्ञानोदय विद्यापीठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
					१	२
३	४	५	६	७	८	९
१०	११	१२	१३	महावीर	१५	१६
१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३
२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०

२ | प्रतियोगिताएँ

- मिट्टी से वस्तु बनाना ४थीं –६वीं
- अभिव्यक्तिपूर्ण लेखन ७–८वीं
- विज्ञापन दिखाना ९–१०वीं

९ | प्रतियोगिताएँ

- अंगूठे से चित्र बनाना ४थीं –५वीं
- कबाड़ से जुगाड़ ६वीं
- भजन सुनाओ ७–८वीं
- पोस्टर बनाना ९–१०वीं

१४ महावीर जयंती

१९ ग्रीष्मावकाश प्रारंभ

अपना मन,
अपने विषय में,
क्यों न सोचता।

हित का सृजन, अहित का विसर्जन ही शिक्षा है ।

–आचार्य श्री विद्यासागरजी

मई २०२२ वैशाख-ज्येष्ठ

कार्य दिवस – शून्य

प्रतिभास्थली
ज्ञानोदय विद्यापीठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
१	२	३	४	५	६	७
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१
२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८
२९	३०	३१				

१८ शिक्षक-अभिभावक वार्ता (कक्षा – १० वीं)

ग्रीष्म-अवकाश

सदुपयोग,
ज्ञान का दुर्लभ है,
मद सुलभ।

शिक्षा जीवन निर्वाह के लिए नहीं, जीवन निर्माण के लिए होनी चाहिए।

–आचार्य श्री विद्यासागरजी

जून २०२२ ज्येष्ठ-आषाढ़

प्रतिभास्थली
ज्ञानोदय विद्यापीठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
			१	२	३	४
५	६	७	८	९	१०	११
१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८
१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५
२६	२७	२८	२९	३०		

२० ग्रीष्मावकाश पूर्ण

ऐच्छिक प्रश्न,
अंक बढ़ाते मुख्य,
अंक दिलाते।

जिस देश की भाषा सुरक्षित है, उसकी संस्कृति भी सुरक्षित है।

–आचार्य श्री विद्यासागरजी

जुलाई २०२२ आषाढ़-श्रावण

प्रतिभास्थली
ज्ञानोदय विद्यापीठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
					१	२
३	४	५	६	७	८	९
१०	११	१२	१३	१४	१५	१६
१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३
२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
३१						

२ | प्रतियोगिताएँ

- मानचित्र भरो
- भारत देश ४थीं –६वीं
- यूरोप महाद्वीप ७–८वीं
- एशिया महाद्वीप ९–१०वीं

१५ वीर शासन जयंती

शिक्षा का अंतिम फल अध्यात्म है।

खेती-बाड़ी है,
भारत की मर्यादा,
शिक्षा साड़ी है।

–आचार्य श्री विद्यासागरजी

अगस्त २०२२ श्रावण-भाद्रपद

प्रतिभास्थली
ज्ञानोदय विद्यापीठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
	१	२	३	४	५	६
७	८	९	१०		१२	१३
१४		१६	१७	१८	१९	२०
२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७
२८	२९	३०	३१			

२७ प्रतियोगिताएँ

- फैन्सी ड्रेस ४थीं –५वीं
- अभिनय ७–८वीं
- वाद–विवाद ९–१०वीं

- ५ इकाई -१ पूर्ण (४ थीं -१० वीं)
- ६ -१३ रक्षाबंधन अवकाश
- ३१ पर्युषण पर्व प्रारंभ

चिंतन, मनन, ज्ञान, विज्ञान, अध्यापन और अनुसंधान
विदेशी भाषा में अध्ययन से संभव नहीं है।

हम अधिक,
पढ़े-लिखे हैं,
कम समझदार।

–आचार्य श्री विद्यासागरजी

सितंबर २०२२ भाद्रपद-आश्विन

कार्य दिवस – २६

प्रतिभास्थली
ज्ञानोदय विद्यापीठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
				१	२	३
४	५	६	७	८	९	१०
	१२	१३	१४	१५	१६	१७
१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
२५	२६	२७	२८	२९	३०	

१७ प्रतियोगिताएँ

- औरिगामी ४थीं –६वीं
- कोलाज बनाओ ७–८वीं
- निबंध–लेखन ९–१०वीं

५ शिक्षक दिवस

९ पर्युषण पर्व पूर्ण

११ क्षमावाणी

भाषा भाव तक पहुँचने का सर्वोत्तम मार्ग है।

गुरु ने मुझे,
गुरु समय दिया,
लघु बनने।

–आचार्य श्री विद्यासागरजी

अक्टूबर २०२२ आश्विन-कार्तिक

कार्य दिवस – १८

प्रतिभास्थली
ज्ञानोदय विद्यापीठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
						१
	३	४	५	६	७	८
	१०	११	१२	१३	१४	१५
१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२
२३	२४		२६	२७	२८	२९
३०	३१					

२	गाँधी जयंती	१ – १५	अर्द्धवार्षिक परीक्षा
९	शरद पूर्णिमा	२१-२९	दीपावली अवकाश
३१	शिक्षक-अभिभावक वार्ता		

ज्ञान चिल्लाता,
आपत्ति आने पर,
आस्था झेलती।

शिक्षा अर्थकरी नहीं, परमार्थकरी होनी चाहिए।

–आचार्य श्री विद्यासागरजी

नवंबर २०२२ कार्तिक-मार्गशीर्ष

प्रतिभास्थली
ज्ञानोदय विद्यापीठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
		१	२	३	४	५
६	७	८	९	१०	११	१२
१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९
२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६
२७	२८	२९	३०			

५ | प्रतियोगिताएँ

भाषण ४थीं – ५वीं
सब्जियों से चित्र बनाना ६–८वीं
वाद–विवाद ९–१०वीं

सार्थक बोलो,
व्यर्थ नहीं साधना,
सो छोटी नहीं।

जीवनोपयोगी वस्तुओं का निर्माण कर सकें वही एक मात्र शिक्षा है।

–आचार्य श्री विद्यासागरजी

दिसंबर २०२२ मार्गशीर्ष-पौष

प्रतिभास्थली
ज्ञानोदय विद्यापीठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
				१	२	३
४	५	६	७	८	९	१०
११	१२	१३	१४	१५	१६	१७
१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
२६		२७	२८	२९	३०	३१

२५ वार्षिक महोत्सव **"निर्माण"**

२६ शीतकालीन अवकाश प्रारंभ

पीछे भी देखो,
पिछलग्गू न बनो,
पीछे रहोगे।

–आचार्य श्री विद्यासागरजी

हित का सृजन और अहित का विसर्जन करना ही शिक्षा का लक्षण है।

जनवरी २०२३ पौष-माघ

कार्य दिवस – २१

प्रतिभास्थली
ज्ञानोदय विद्यापीठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
१	२	३	४	५	६	७
८	९	१०	११	१२	१३	१४
१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१
२२	२३	२४	२५	भारत का संविधान सत्यमेव जयते	२७	२८
२९	३०	३१				

३ शीतकालीन अवकाश पूर्ण

१३ -१४ खेल दिवस

बिना प्रमाद,
श्वसन क्रिया सम,
पथ पे चलूँ।

–आचार्य श्री विद्यासागरजी

भारतीय शिक्षा का उद्देश्य स्वाध्याय, सदुपयोग, सेवा, कर्तव्य है, मात्र अर्थोपार्जन नहीं।

फरवरी २०२३ माघ-फाल्गुन

प्रतिभास्थली
ज्ञानोदय विद्यापीठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
			१	२	३	४
५	६	७	८	९	१०	११
१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८
१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५
२६	२७	२८				

२५ वार्षिक-परीक्षा प्रारंभ (४ -१०वीं)

कहो न सहो,
यही परीक्षा सही,
आपे में रहो।

–आचार्य श्री विद्यासागरजी

आज हमारे पास राष्ट्रीय धन है, राष्ट्रीय चिन्ह भी है, परंतु राष्ट्रीय चरित्र नहीं है।

मार्च २०२३ फाल्गुन-चैत्र

कार्य दिवस – १

प्रतिभास्थली
ज्ञानोदय विद्यापीठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुद्धवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
			१	२	३	४
५	६	७	८	९	१०	११
१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८
१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५
२६	२७	२८	२९	३०	३१	

१० वार्षिक-परीक्षा पूर्ण (४ -१०वीं)

गुरु मार्ग में,
पीछे की हवा सम,
हमें चलाते।

-आचार्य श्री विद्यासागरजी

इतिहास से कभी भी किसी को अनभिज्ञ नहीं रहना चाहिए क्योंकि इतिहास आदर्श होता है भविष्य नहीं।